ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–65
दिनांक– शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0 एवं 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 79.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.0 एवं दोपहर में 36.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 2.0 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(30 अगस्त से 03 सितम्बर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 30 अगस्त से 03 सितम्बर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में आसमान में हलके से मध्यम बादल देखे जा सकते है। इस अवधी में समान्य से काम वर्षा होगी, 30–31 अगस्त को अनेक स्थानों पर विशेष रूप से तराई से छेत्र में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। मैदानी भागो में कही – कही हल्की वर्षा होगी।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85–95 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 40–45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- सितम्बर अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करे। अरहर की राजेन्द्र–1, पूसा–9 तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंशित है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फुर,20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- धान की फसल में ब्राउन प्लांट होपर कीट की निगराणी करे। यह मच्छरनुमा कीट पौधा की पत्तियों एवं तने से रस चुसता है जिससे पत्तिया सुखी हुई तथा भुरे रंग की हो जाती है। प्रारंभ में यह एक स्थान में रहते है जो बाद में सारे खेत में फैल जाते हैं एवं कभी–कभी यह सारी फसल को नष्ट कर देती है। यदि प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोरोप्रिड / 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- वर्षा के दिनों में तेज हवा चलने के कारण गन्ना गिरने की आशंका बनी रहती हैा इससे बचाव के लिए गन्ना की बंधाई करनी चाहिए। इसके लिए एक पंक्ति की गन्ना को दूसरे पंक्ति के तरफ झुकाते हुए पत्ती– रस्सी विधि से गन्ने की बंधाई करनी चाहिएा गन्ना बंधाई के लिए नीचली सूखी पत्तियों और कुछ हरी पत्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस विधि से गन्ना की बंधाई करने पर हथिया नक्षत्र की तेज हवा और बारिस के समय गन्ना गिरने से बच जाता है। साथ ही जल–जमाव की समस्या होने पर अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था करें। देर से निकलने वाली अलाभकारी कल्ले को काटकर हरे चारे के रूप में इस्तेमाल करें।
- गर्म और आर्द्र परिस्थितियों के कारण, केले में बड़ी संख्या में सकर्स निकलते हैं। यह सलाह दी जाती है कि सकर्स को खोदकर नहीं, बल्कि 15–30 दिनों के अंतराल में जमीन के स्तर से काटकर हटा दें। उचित डी–सकिंग से केले की उपज में वृद्धि होगी।
- पपीते में इस समय मृदा जनित रोग पौधों को संक्रमित कर सकते हैं। इसलिए, हेक्साकोनाजोल या नेटिवो जैसे कवकनाशकों से नियमित रूप से (मासिक अंतराल पर) पानी लगाने की सलाह दी जाती है। अक्टूबर में पपीते की रोपाई के लिए नर्सरी तैयार करनी चाहिए। बीज प्रामाणिक स्रोतों से खरीदे जाने चाहिए।
- टमाटर की नर्सरी उथली क्यारियों में पंक्तियों में गिरावें। इसके लिए काशी विशेष, काशी अमन, स्वर्ण लालिमा, स्वर्ण नवीन, अर्का आभा किस्में अनुशंसित है। बीज दर 200 से 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें।
- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए पुसा अगेती एवं पुसा ड्रम हेड किस्में अनुशंसित है।
- मूली की अगात बुआई के लिए *पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी,, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त* आदि प्रभेदों की बुआई करें। बीज दर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५ × १० से०मी० की दुरी पर बुआई करें।
- फूलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। उपचारित बीज उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये।

आज का अधिकतम तापमानः 32.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 25.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी